चारागाह में शेर



मार्ग्रेट माहे, चित्र: जेनी विलियम द्वारा

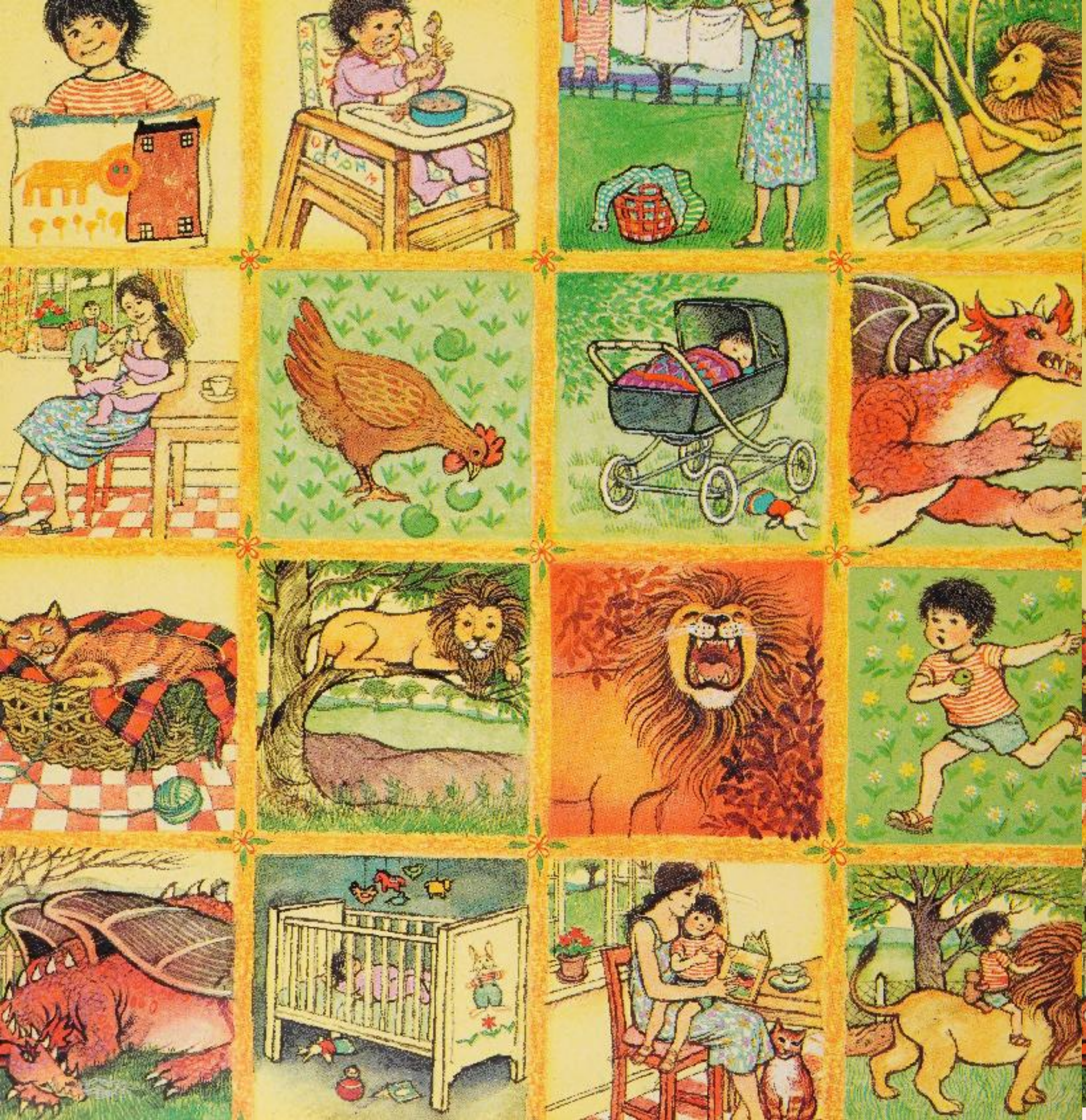
हिंदी: जलज शर्मा

छोटे बच्चे ने कहा, "मां, मां! चारागाह में शेर है।"

मां बोली, "कैसी बेतुकी बात है।"

"क्या तुम्हें सच में लगता है कि चारागाह में शेर है?"

मार्ग्रेट माहे की प्रसिद्ध कहानी का यह एक खुशनुमा रुप है जिसे जैनी विलियम ने पुनः चित्रित किया है।

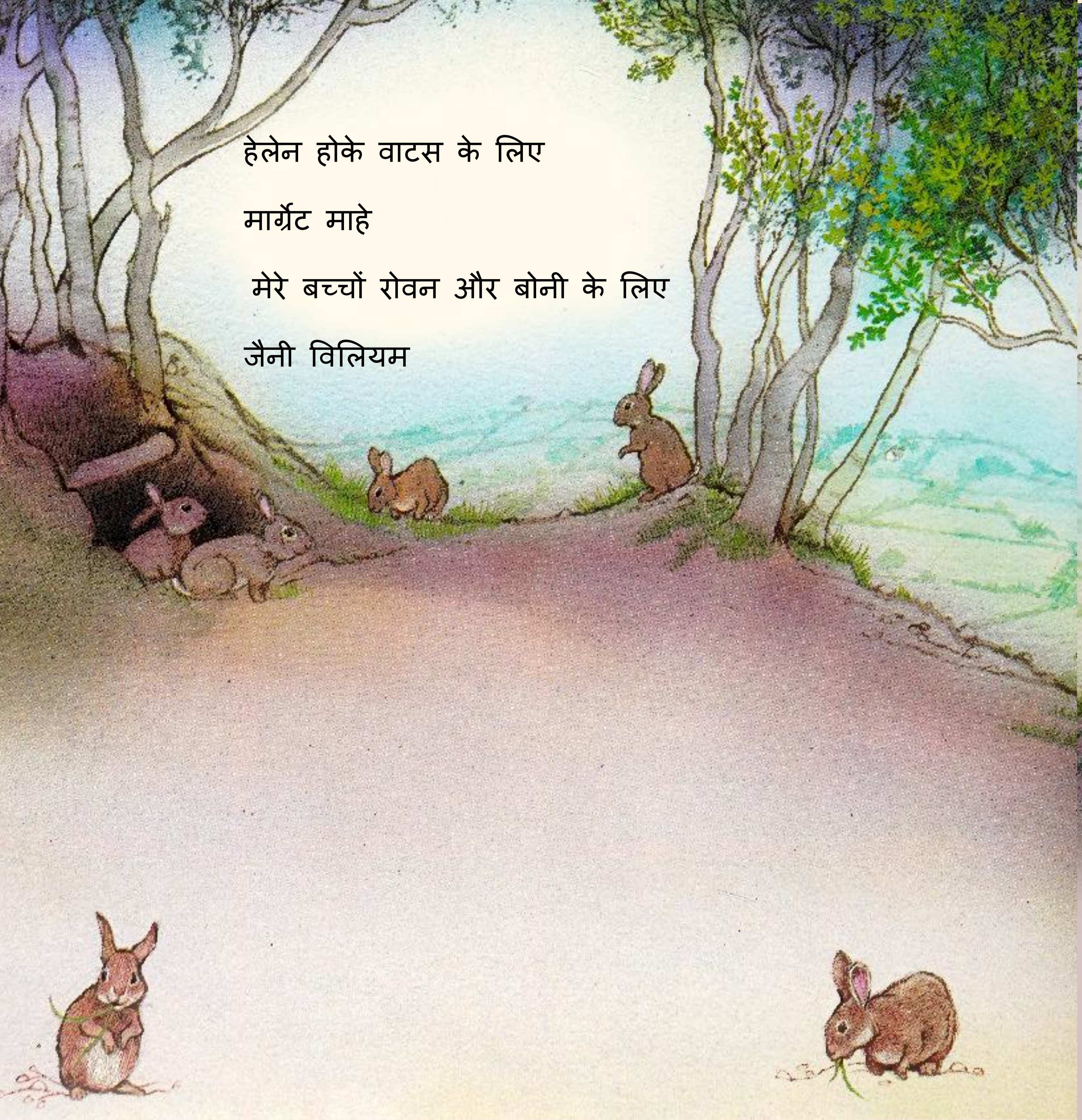


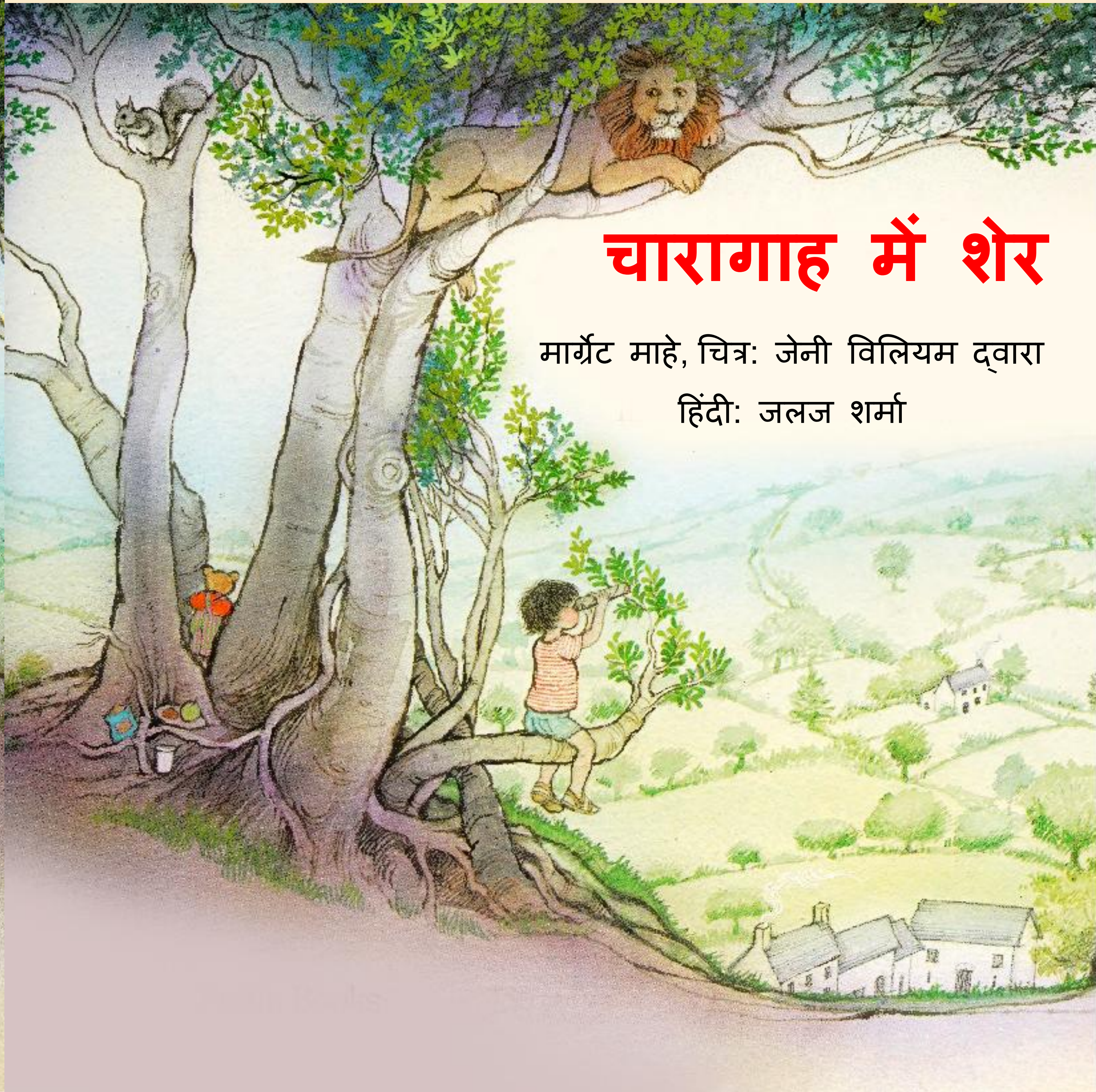

हेलेन होके वाटस के लिए

मार्ग्रेट माहे

मेरे बच्चों रोवन और बोनी के लिए

जैनी विलियम





चारागाह में शेर

मार्ग्रेट माहे, चित्र: जेनी विलियम द्वारा

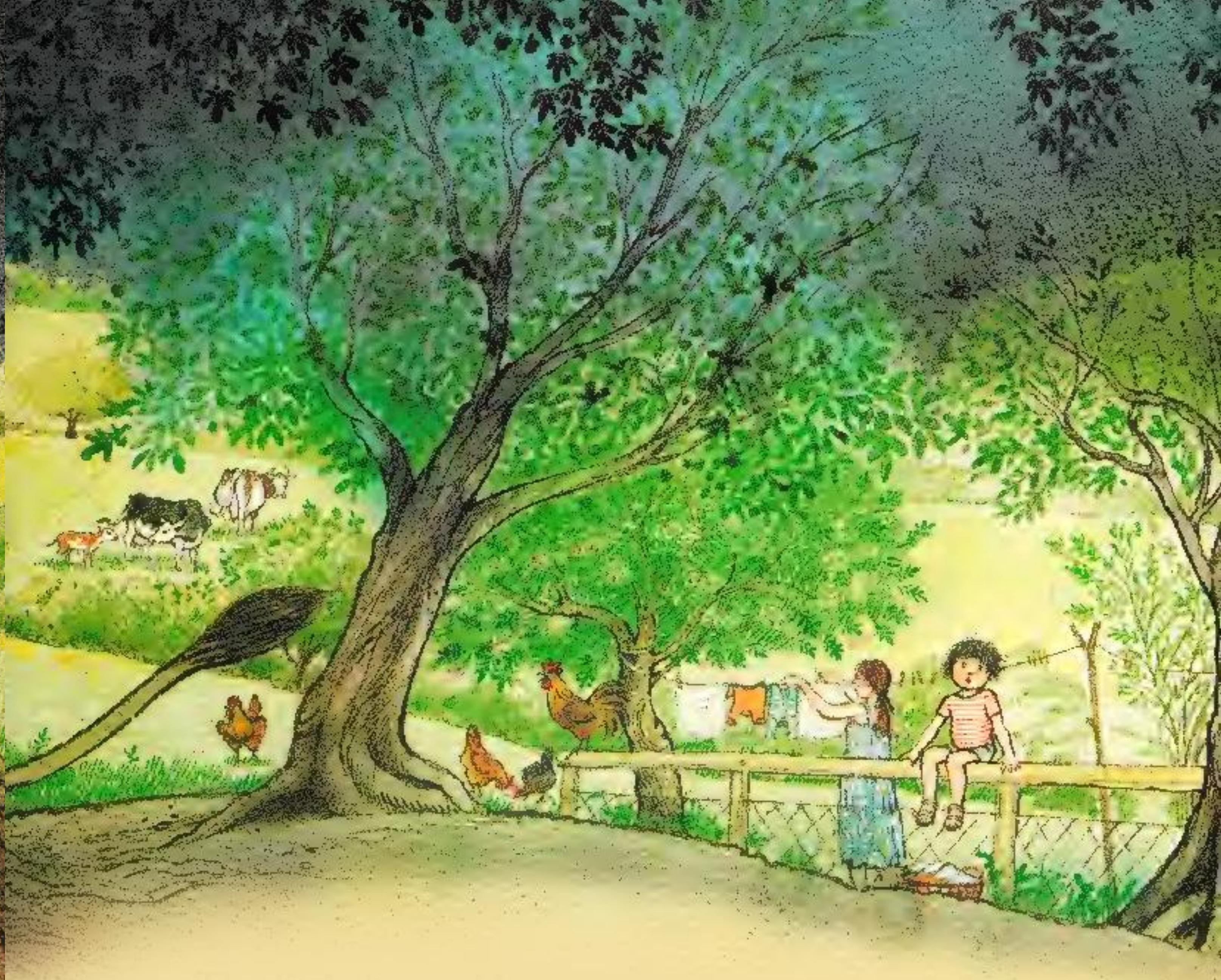
हिंदी: जलज शर्मा



छोटे बच्चे ने कहा, "मां, मां!
चारागाह में शेर है।"

मां बोली, "कैसी बेतुकी बात है।"





बच्चा फिर से कहने लगा, "मां, चारागाह में एक बड़ा, पीला शेर है।"

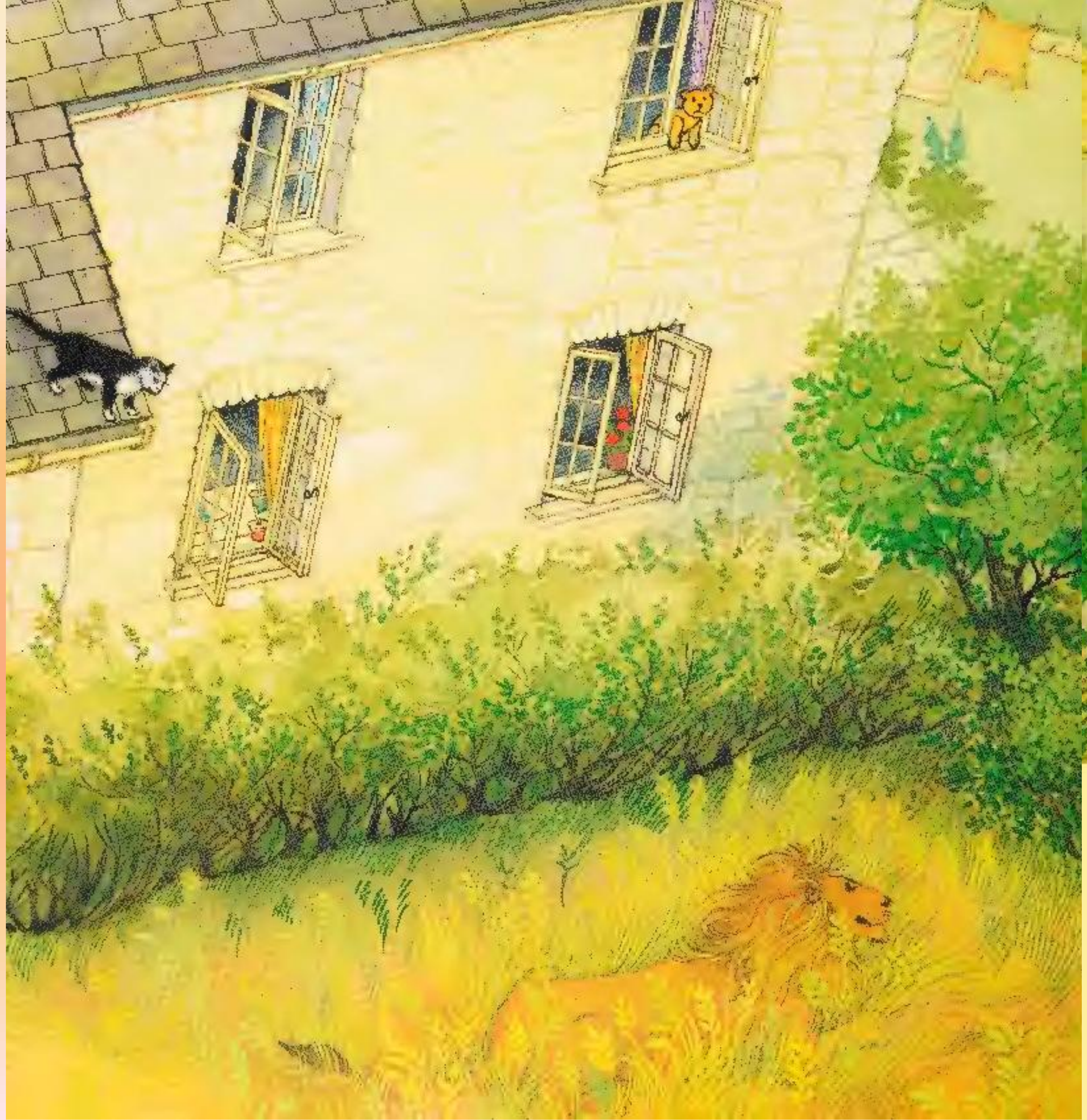
"यह एक बेकार की बात है।" मां ने कहा



बच्चा बोला, "चारागाह में एक बड़ा,

पीला, मूंछों वाला शेर गरज रहा है।"



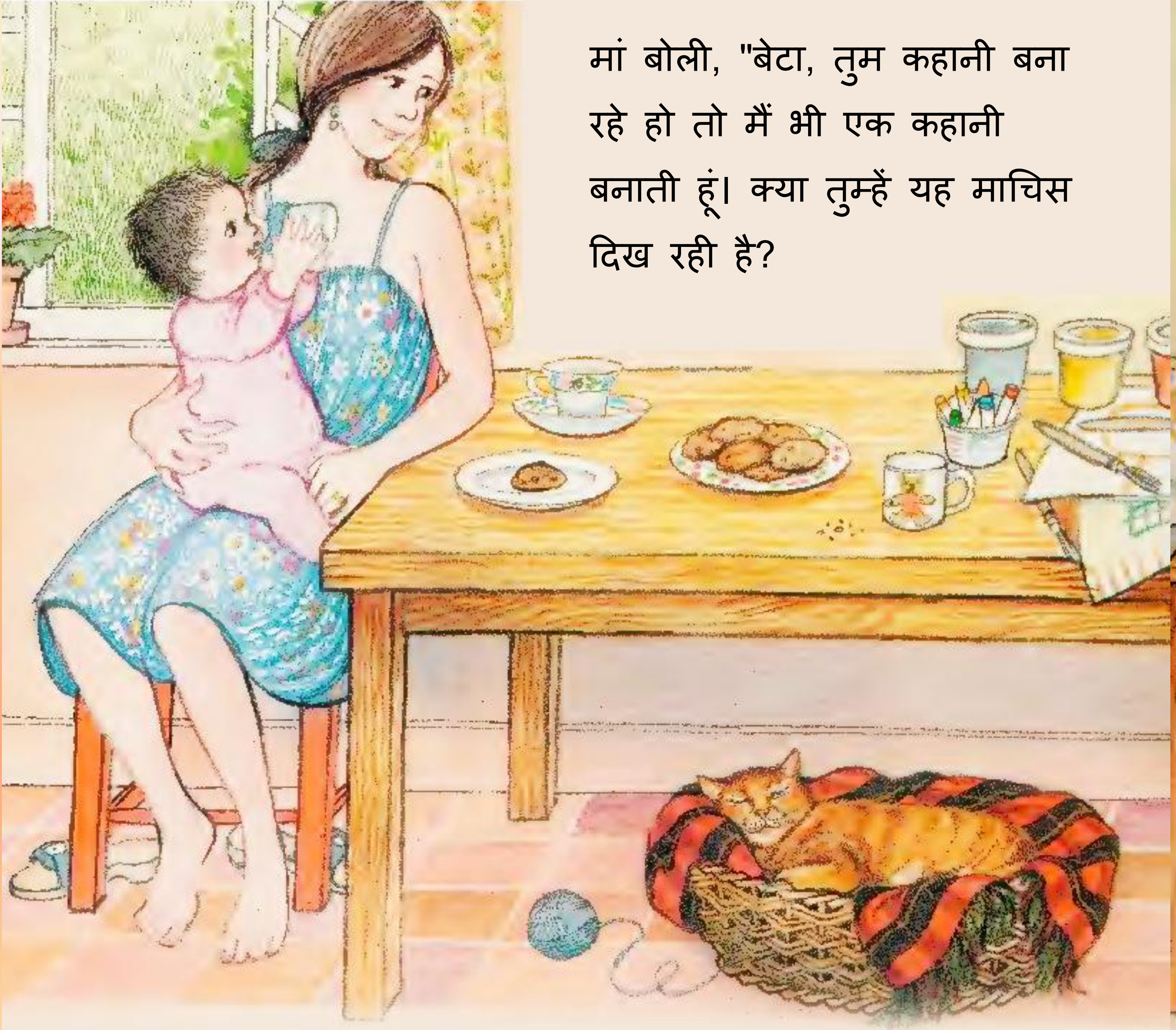




मां ने कहा, "बेटा, तुम फिर से कहानियां बनाने लगे। चारागाह में केवल घास और पेड़ हैं। चाहो तो खुद जाकर देख लो।"

"मुझे वहां जाने से डर लग रहा है क्योंकि वहां शेर है," बच्चा बोला।

मां बोली, "बेटा, तुम कहानी बना रहे हो तो मैं भी एक कहानी बनाती हूं। क्या तुम्हें यह माचिस दिख रही है?



इसको बाहर ले जाकर खोलोगे तो इस में से एक छोटे दैत्य निकलेगा।



छोटा दैत्य धीरे धीरे बड़ा हो जाएगा और शेर को भगा देगा।"
बच्चे ने माचिस ले ली और बाहर चला गया।



मां आराम से अपने आलू छीलती रही। अचानक से दरवाजा खुला और एक बड़ा, पीला, मूंछों वाला, गरजता हुआ शेर भीतर आया।

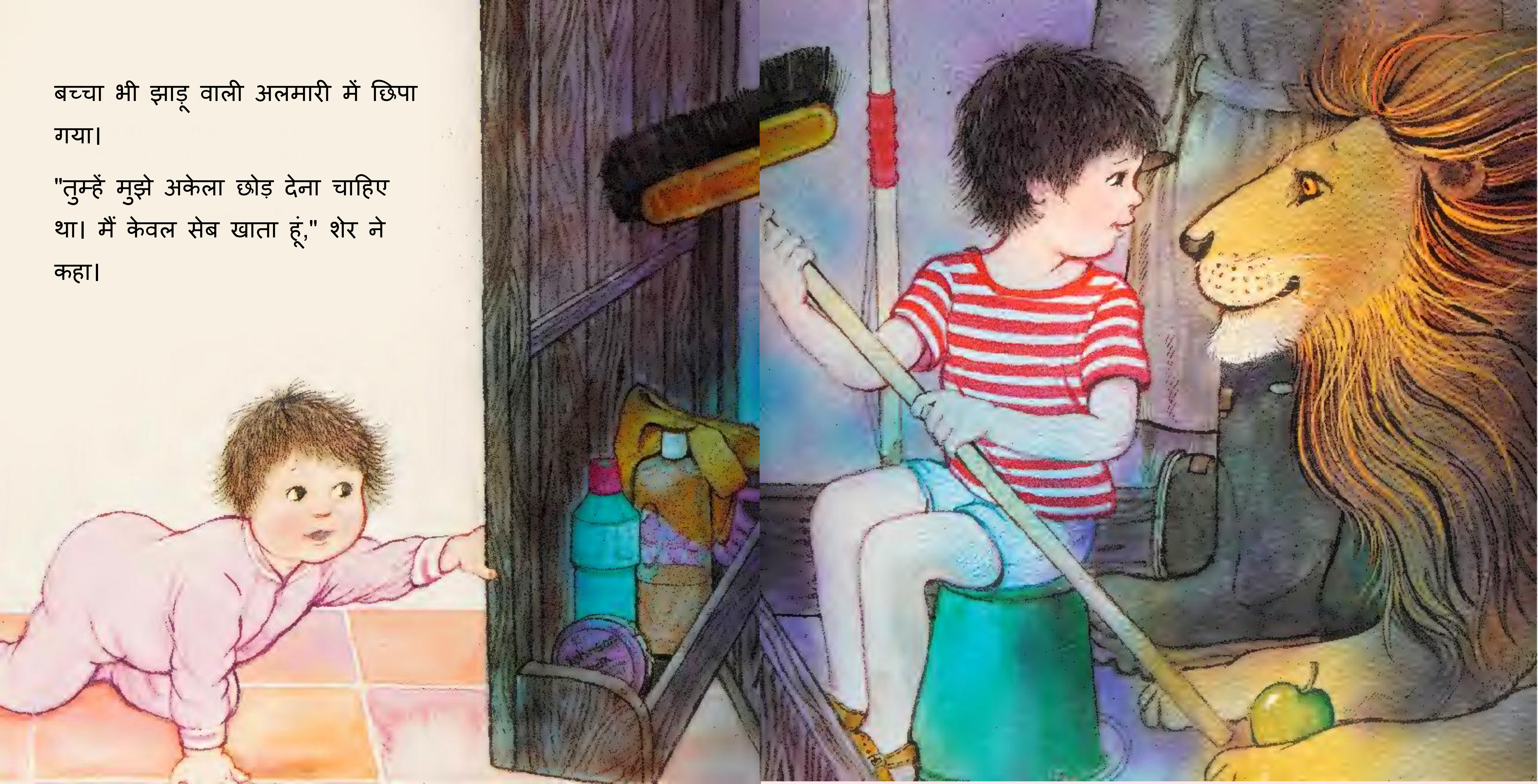
"मुझे छिपा दो," वह बोला, "एक दैत्य मेरे पीछे लगा हुआ है।" शेर झाड़ू वाली अलमारी में छिप गया।

फिर वह छोटा बच्चा भागता हुआ आया और बोला, "मां, वह दैत्य बहुत बड़ा हो गया है। अब चारागाह में कोई शेर नहीं है। अब चारागाह में एक दैत्य है।"



बच्चा भी झाड़ू वाली अलमारी में छिपा गया।

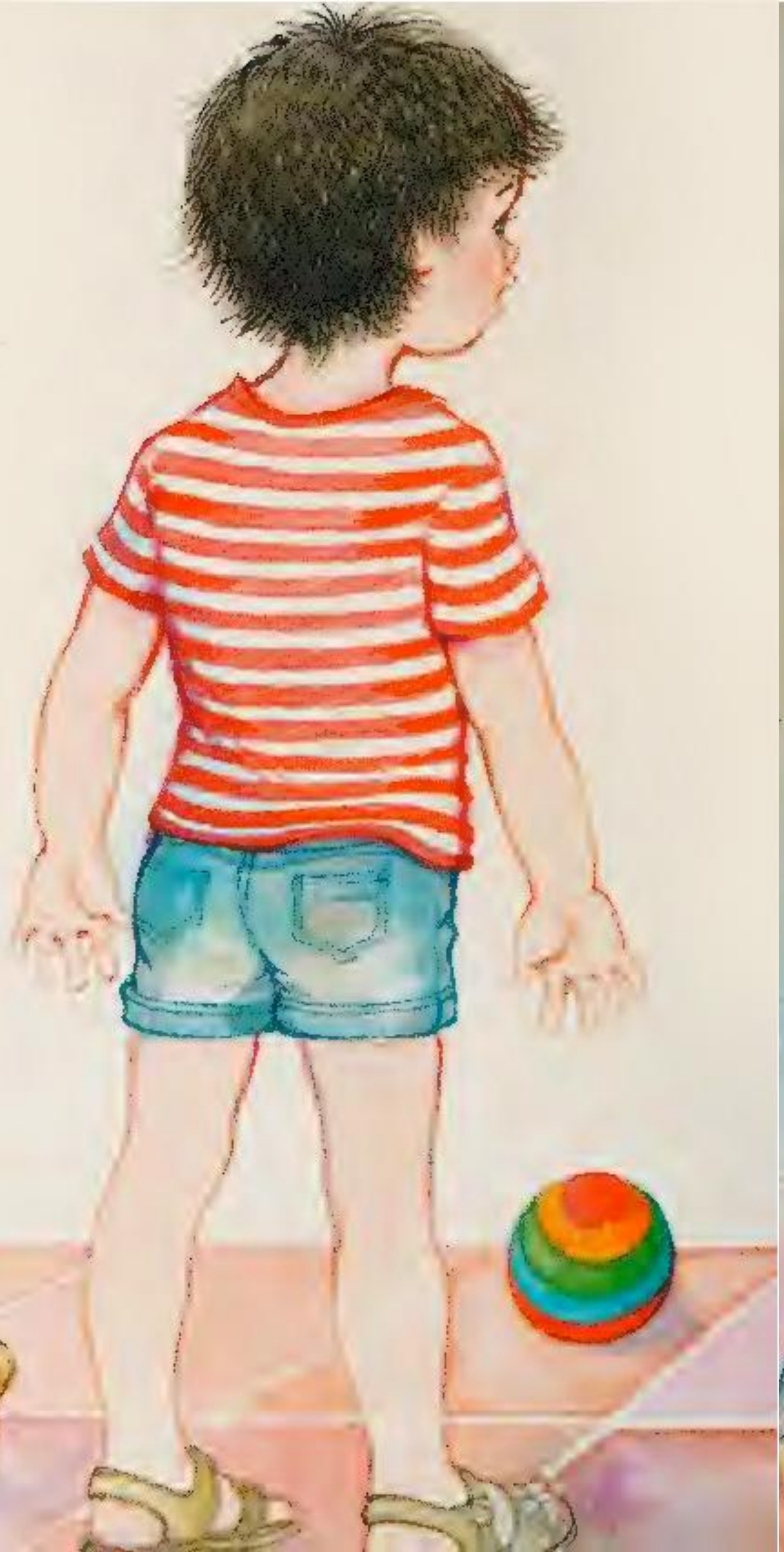
"तुम्हें मुझे अकेला छोड़ देना चाहिए था। मैं केवल सेब खाता हूं," शेर ने कहा।



"पर उस माचिस में सच में कोई दैत्य नहीं था," मां ने कहा। "यह तो मैंने केवल एक कहानी बनाई थी।"

"पर आखिर वह सच निकली। आपको एक बार उस माचिस में देख लेना चाहिए था," बच्चे ने कहा

"ऐसा ही होता है, कुछ कहानियां सच होती हैं और कुछ नहीं," शेर ने कहा।



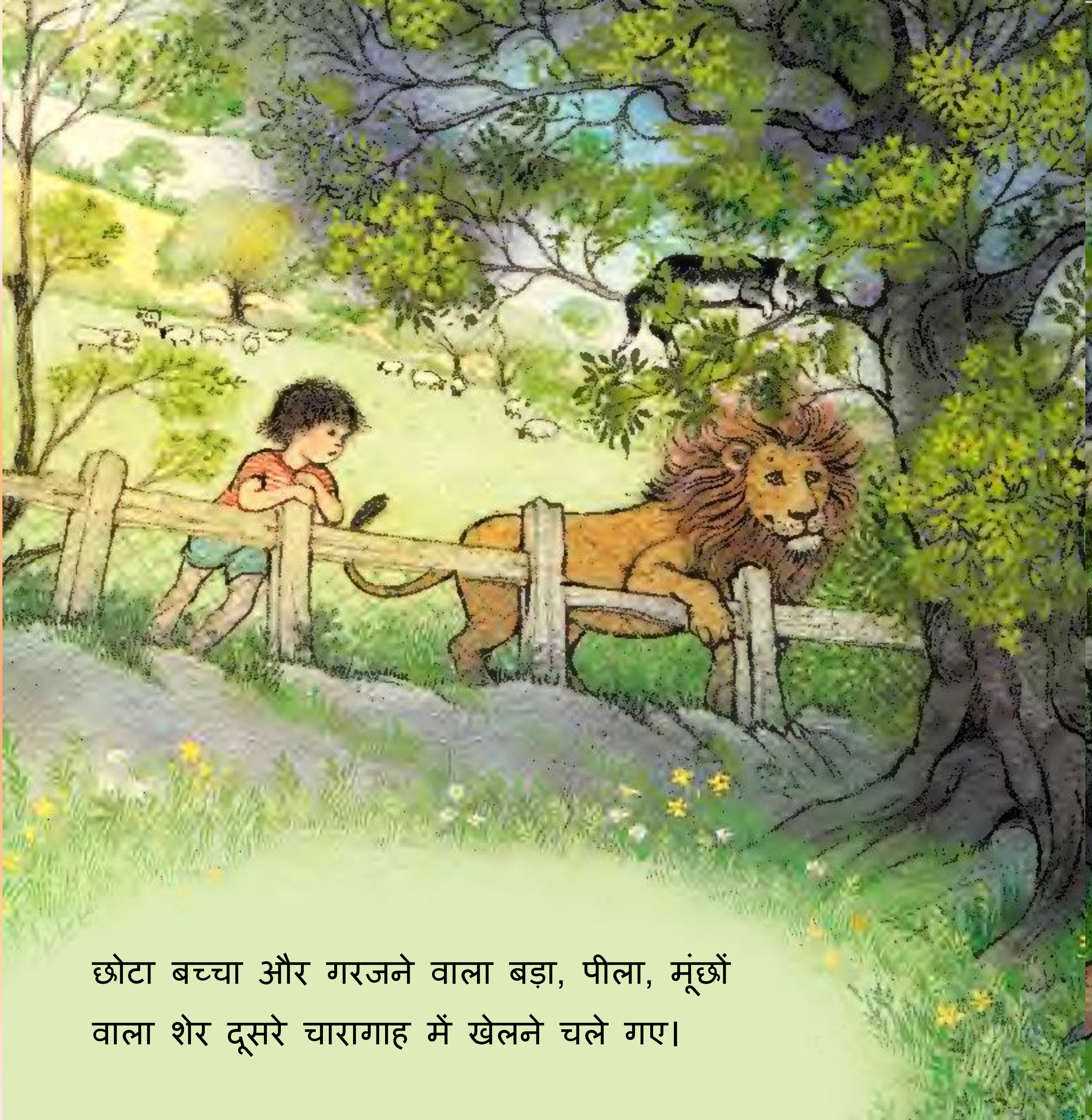




बच्चा बोला," मुझे एक विचार आया है कि हम घर के दूसरी तरफ के चारागाह में खेल सकते हैं। वहां कोई दैत्य नहीं है।



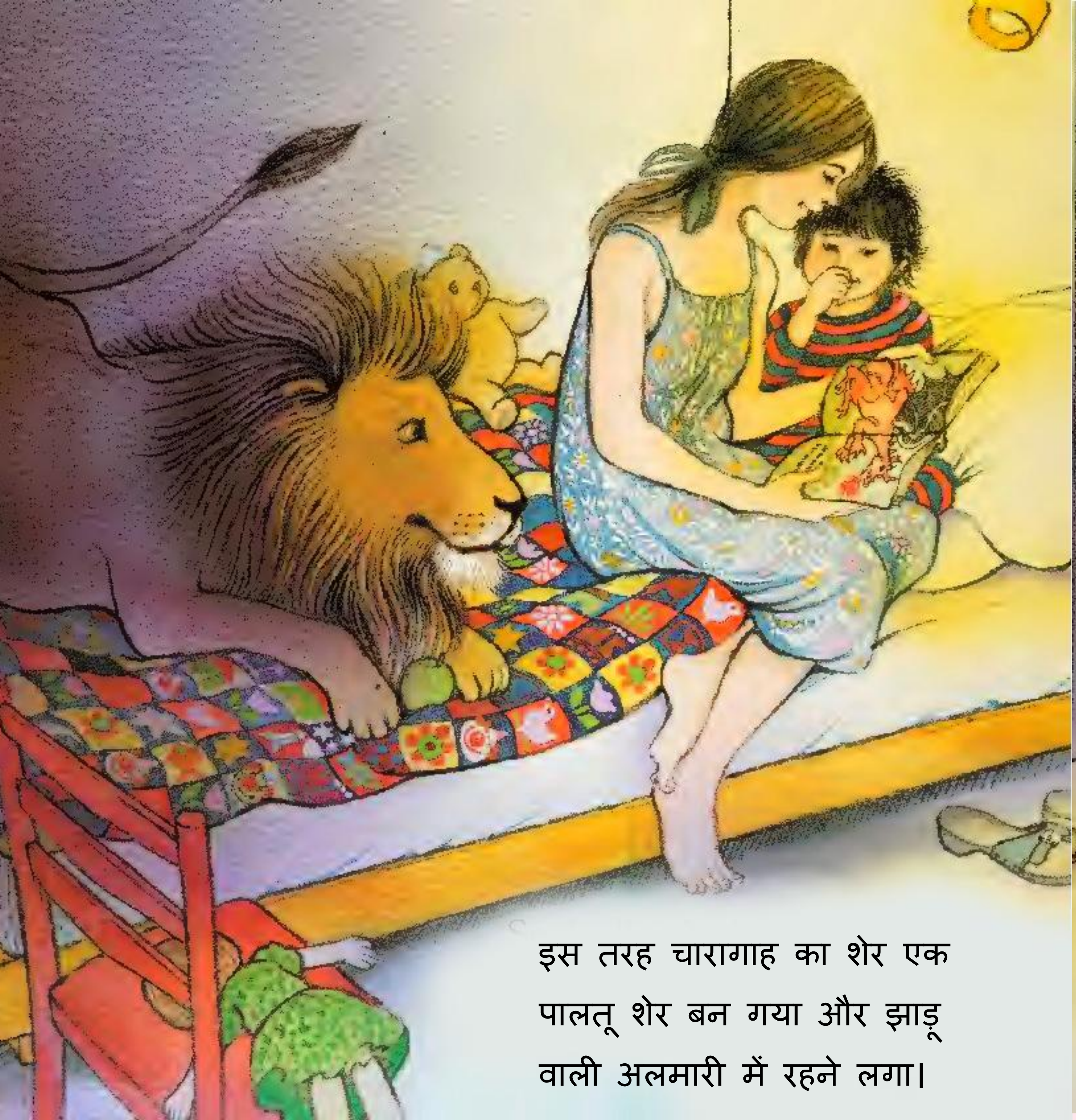
“मैं बहुत खुश हूं कि अब हम दोस्त हैं," छोटा बच्चा बोला।



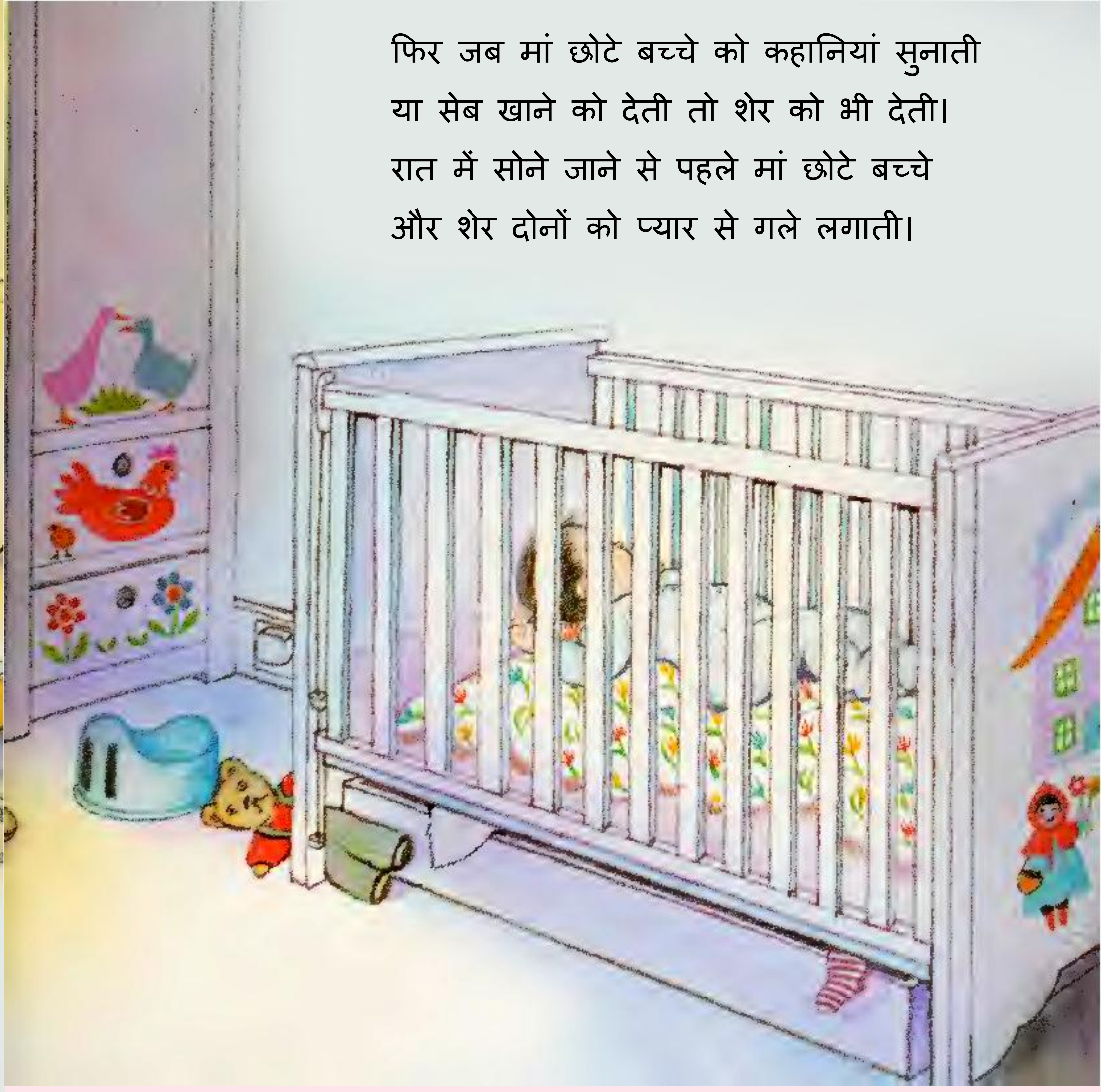
छोटा बच्चा और गरजने वाला बड़ा, पीला, मूंछों वाला शेर दूसरे चारागाह में खेलने चले गए।



दैत्य जहां था वहीं रहा, और किसी ने उसकी उपस्थिति का बुरा नहीं माना।



इस तरह चारागाह का शेर एक
पालतू शेर बन गया और झाड़ू
वाली अलमारी में रहने लगा।



फिर जब मां छोटे बच्चे को कहानियां सुनाती
या सेब खाने को देती तो शेर को भी देती।
रात में सोने जाने से पहले मां छोटे बच्चे
और शेर दोनों को प्यार से गले लगाती।



